418 अरब डालर का रिकार्ड निर्यात

सप्लाई चेन की दिक्कतों के बीच वित्त वर्ष 2021-22 में निर्यात के मोर्चे पर देश ने रचा नया कीर्तिमान

जागरण ब्यूरो,नई दिल्ली: गत 31 मार्च को समाप्त वित्त वर्ष 2021-22 में 417.8 अरब डालर का रिकार्ड निर्यात किया गया। यह वित्त वर्ष 2020-21 के मुकाबले 40 प्रतिशत अधिक है। सरकार ने वित्त वर्ष 2021-22 के लिए 400 अरब डालर का निर्यात लक्ष्य तय किया था। हालांकि इस दौरान भारत ने 610.2 अरब डालर का आयात किया। इस तरह गत वित्त वर्ष में भारत का व्यापार घाटा 192.4 अरब डालर रहा। वित्त वर्ष 2020-21 में 102 अरब डालर का व्यापार घाटा था। वाणिज्य मंत्रालय के मुताबिक इस साल मार्च में 40.4 अरब डालर का निर्यात किया गया जो पिछले साल मार्च के मुकाबले 14.5 प्रतिशत तो वर्ष 2020 मार्च के मुकाबले 88 प्रतिशत अधिक है। पहली बार किसी एक माह में 40 अरब डालर से अधिक का निर्यात किया गया है।

40 अरब डालर का निर्यात हुआ मार्च में, पिछले साल के मुकाबले 14.5 प्रतिशत अधिक

610.2 अरब डालर का आयात किया

निर्यात में हुई वृद्धि	
पेट्रोलियम उत्पाद	152%
काटन यार्न, फैब्रिक, हैंडलूम	55%
जेम्स व ज्वेलरी	50%
इंजीनियरिंग गुड्स	46%
इलेक्ट्रानिक्स गुड्स	41%
काफी	41%

नई दिल्ली में रविवार को मीडिया से बात करते केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ● एएनआइ

48.59 अरब डालर का कृषि निर्यात: वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक वित्त वर्ष 2021-22 में 48 .59 अरब डालर का कृषि निर्यात रहा जो वित्त वर्ष 2020-21 के मुकाबले 20 प्रतिशत अधिक है। समुद्री उत्पाद के निर्यात में 31 प्रतिशत की बढ़ोतरी रही। चावल के निर्यात में पूर्व वित्त वर्ष के मुकाबले नौ प्रतिशत का इजाफा रहा। 2021-22 में 4 .46 अरब डालर का चीनी निर्यात किया गया जबकि वित्त वर्ष 2020-21 में चीनी निर्यात 2 .65 अरब डालर था।

वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने रविवार को निर्यात संबंधी जानकारी देते हुए कहा कि जैसे आरआरआर फिल्म कमाई के सारे रिकार्ड को तोड़ रही है, वैसे ही इन दिनों भारतीय अर्थव्यवस्था रिकार्ड तोड़ने में जुटी है। गोयल ने कहा कि पिछले वित्त वर्ष 2021-22 कोरोना की दूसरी और तीसरी लहर से प्रभावित रहा। वैश्विक स्तर पर सप्लाई चेन बाधित रही। कंटेनर की कमी रही। इस सबके बावजूद भारत के वस्तु निर्यात ने नया रिकार्ड कायम किया है। उन्होंने बताया कि पहले भारत पड़ोसी देश या आसियान देशों को अधिक निर्यात करता था, लेकिन गत वित्त वर्ष में अमेरिका, नीदरलैंड, सिंगापुर, बेल्जियम, यूएई जैसे देशों में भारतीय निर्यात में अच्छी बढ़ोतरी दर्ज की गई। गत वित्त वर्ष के निर्यात में इंजीनियरिंग, गुड्स, पेट्रोलियम पदार्थ, जेम्स और ज्वेलरी, इलेक्ट्रानिक्स वस्तुओं का अहम योगदान रहा। इस अवधि में इंजीनियरिंग गुड्स का निर्यात 111 अरब डालर रहा जबकि वित्त वर्ष 2020-21 में यह निर्यात 76 अरब डालर था।

15,000 करोड़ का गेहूं निर्यात किया: पीयूष गोयल ने बताया, चालू वित्त वर्ष यानी 2022-23 में 100 लाख टन गेहूं निर्यात रहने का अनुमान है। गेहूं निर्यात को बढ़ाने के लिए मप्र, गुजरात व उप्र सभी राज्यों से लगातार बातचीत हो रही है और कई बंदरगाह से गेहूं निर्यात किया जा रहा है। बताया कि गत वित्त वर्ष 2021-22 में 70 लाख टन यानी 15,000 करोड़ का गेहूं निर्यात किया गया जबकि वित्त वर्ष 2020-21 में 21.55 लाख टन यानी कि 4000 करोड़ का निर्यात किया गया था। वित्त वर्ष 2019-20 में दो लाख टन यानी 500 करोड़ का निर्यात किया गया था। यूक्रेन संकट से वैश्विक स्तर पर गेहूं की भारी मांग है और इससे किसानों को फायदा मिल रहा है।